मदरहुड विवि के जर्मन तथा फ्रेंच भाषा के महत्व पर व्याख्यान

● जनवाणी संवाददाता, भगवानपुर

संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीस, मदरहुड युनिवर्सिटी द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान का विषय भारतीय शिक्षा में विदेशी भाषा फ्रेंच एवं जर्मन का योगदान रहा। व्याख्यान का शुभारम्भ संकाय अध्यक्ष प्रो० पी.के. अग्रवाल, निदेशक प्रशासन श्री दीपक शर्मा एव प्रो० इन्द्र कांत पाठक ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया।

संकाय अध्यक्ष प्रो० पीके अग्रवाल ने प्रो० इन्द्र कांत पाठक का स्वागत किया व अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों को भाषा एक माध्यम फ्रेंच और जर्मन भाषाओं के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं की जानकारी छात्रों के भविष्य को उनका करियर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी के अलावा, अन्य विदेशी भाषाओं का बिजनेस, नौकरी, इंडस्ट्री, बहुअन्तर्राष्ट्रीय कपंनीयों में बहुत क्षेत्र में फैला हुआ है तथा अपने करियर में सफल होने के लिए हमें राष्ट्रभाषा तथा अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को ज्ञान भी होना चाहिए जिससे कि भविष्य में आसानी हो। उन्होंने बताया कि फ्रेंच तथा जर्मनी दुनिया भर में वार्तालाप तथा बिजनेस के लिए इस्तेमाल की जाती है तथा उन्होंने छात्र-छात्राओं को यह भी बताया कि आज कि प्रतिस्पर्धा की दुनिया में अपने आपको आधुनिक बनाना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संकाय के शिक्षक सौरभ पोसवाल, डा० राहुल शर्मा, गार्गी शर्मा, मधु, हरीश,करूणा, अमित वर्मा, कनिका कौशिक का योगदान रहा।

हलचल

मदरहुड विवि में गुरुवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। • हिन्दुस्तान

फ्रेंच और जर्मन भाषा का योगदान बताया

रुड़की। मदरहुड विवि के कामर्स एवं बिजनेस स्टडी संकाय में भारतीय शिक्षा में फ्रेंच और जर्मन भाषा के योगदान विषय पर व्याख्यान का शुभारम्भ संकाय अध्यक्ष प्रो. पीके अग्रवाल, निदेशक प्रशासन दीपक शर्मा प्रो. इन्द्र कांत पाठक ने दीप जलाकर किया। बताया गया कि फ्रेंच तथा जर्मन दुनिया भर में वार्तालाप तथा बिजनेस के लिए इस्तेमाल की जाती है। इस दौरान सौरभ पोसवाल, डॉ. राहुल शर्मा, गार्गी शर्मा, मधु, अमित पंवार, हरीश, करूणा, अमित वर्मा, कनिका कौशिक, कार्तिक नायडू आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना
■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
नई दिल्ली
शुक्रवार ● 8 नवम्बर ● 2019
16 पृष्ठ, मूल्य ` 3.50

करियर बनाने में भाषाओं की अहम भूमिका : प्रो. अग्रवाल

■ **रुड़की/एसएनबी।** संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीस, मदरहुड विवि द्वारा जर्मन और फ्रेंच भाषा के महत्व पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान का विषय भारतीय शिक्षा में विदेशी भाषा फ्रेंच एवं जर्मन का योगदान रहा।

रुड़की : मदरहुड विवि में कार्यक्रम का उदघाटन करते प्रो. अग्रवाल।

मदरहुड विवि में जर्मन व फ्रेंच भाषा पर कार्यक्रम आयोजित

व्याख्यान का शुभारम्भ संकाय अध्यक्ष प्रो. पीके अग्रवाल, निदेशक प्रशासन दीपक शर्मा एव प्रो. इन्द्रकांत पाठक ने किया। संकाय अध्यक्ष प्रो. पीके अग्रवाल ने प्रो. इन्द्रकांत पाठक का स्वागत किया। संकाय अध्यक्ष प्रो. पीके अग्रवाल ने अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों को भाषा एक माध्यम फ्रेंच और जर्मन भाषाओं के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं की जानकारी छात्रों के भविष्य को उनका करियर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी के अलावा अन्य विदेशी भाषाओं का बिजनेस, नौकरी, इंडस्ट्री, बहुअंतरराष्ट्रीय कपंनियों में बहुत क्षेत्र में फैला हुआ है और अपने करियर में सफल होने के लिए हमें राष्ट्रभाषा तथा अंग्रेजी के साथ अन्य भाषाओं को ज्ञान भी होना चाहिए। जिससे कि भविष्य में आसानी हो। उन्होंने बताया कि फ्रेंच तथा जर्मनी दुनिया भर में वार्तालाप तथा बिजनेस के लिए इस्तेमाल की जाती है। उन्होंने छात्रों को बताया कि आज कि प्रतिर्स्पधा में खुद को आधुनिक बनाना चााहिए।

कार्यक्रम में संकाय के शिक्षक सौरभ पोसवाल, डा. राहुल शर्मा, गार्गी शर्मा, मधु, अमित पंवार, हरीश, करुणा, अमित वर्मा, कनिका कौशिक, कार्तिक नायडू आदि शामिल रहे।